टाटा सफारी का पेट्रोल अवतार

किफायती कीमत पर थ्री-रो एसयूवी

टाटा मोटर्स ने भारतीय एसयूवी बाजार में अपनी मजबूत पकड़ को और सशक्त बनाते हुए अपनी लोकप्रिय फ्लैगशिप एसयूवी सफारी का पेट्रोल वर्जन लॉन्च कर दिया है। अब तक केवल डीजल इंजन विकल्प में उपलब्ध रहने वाली यह थ्री-रो एसयूवी अब पेट्रोल इंजन के साथ भी उपलब्ध होगी। कंपनी का यह कदम उन उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर उठाया गया है, जो कम शुरुआती कीमत और पेट्रोल इंजन की सहज ड्राइविंग को प्राथमिकता देते हैं। नई सफारी पेट्रोल को डीजल वेरिएंट की तुलना में कम कीमत पर उतारा गया है, जिससे यह ज्यादा किफायती विकल्प बनकर उभरी है। माना जा रहा है कि इससे शहरों में रहने वाले ग्राहकों और उन परिवारों को खास आकर्षण मिलेगा, जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए बड़ी और आरामदायक एसयूवी की तलाश में हैं। अपने दमदार डिजाइन, प्रीमियम इंटीरियर, आधुनिक फीचर्स और बेहतर सेफ्टी तकनीक के साथ सफारी पेट्रोल टाटा मोटर्स की बाजार हिस्सेदारी को और बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

-फीचर डेस्क

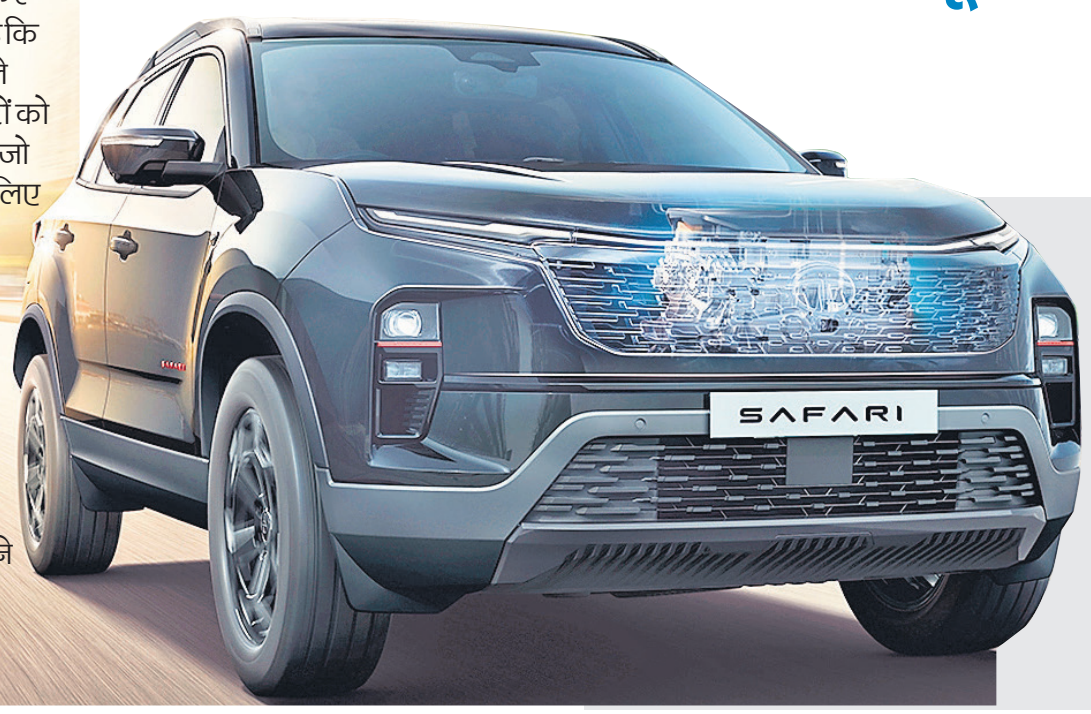

शानदार माइलेज

टाटा मोटर्स के अनुसार, हाल ही में इंदौर स्थित NATRAX रेस ट्रैक पर की गई टेस्टिंग के दौरान नई टाटा सफारी ने अपनी परफॉर्मेंस और एफिशिएंसी दोनों से सभी को चौंका दिया। टेस्ट के दौरान यह एसयूवी 216 किमी प्रति घंटा की टॉप स्पीड तक पहुंचने में सफल रही, जो इसकी दमदार इंजीनियरिंग को दर्शाता है। माइलेज के मामले में भी सफारी पेट्रोल ने शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी के मुताबिक, इस एसयूवी ने 25 किमी प्रति लीटर का माइलेज हासिल किया है, जो इस सेगमेंट की बड़ी और पावरफुल एसयूवी के लिए एक उल्लेखनीय आंकड़ा माना जा रहा है। वहीं, टाटा हैरियर ने इसी टेस्ट में 25.9 किमी प्रति लीटर का सर्टिफाइड माइलेज दर्ज किया। इस उपलब्धि के चलते हैरियर का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज किया गया है, जो टाटा मोटर्स की फ्यूल एफिशिएंसी पर केंद्रित तकनीक को रेखांकित करता है।

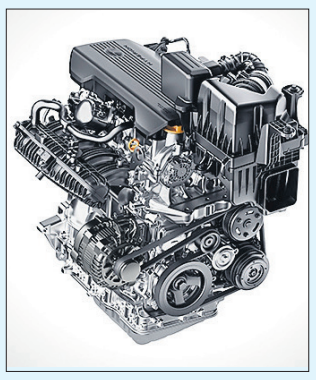

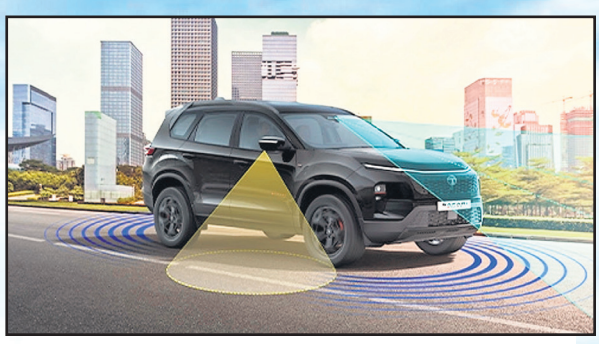

वेरिएंट और सीटिंग ऑप्शन

टाटा मोटर्स ने सफारी पेट्रोल को ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई वेरिएंट्स में पेश किया है। यह एसयूवी स्मार्ट, प्योर एक्स, एडवेंचर एक्स प्लस, अकम्प्लिश्ड एक्स, अकम्प्लिश्ड एक्स प्लस, अकम्प्लिश्ड अल्ट्रा और रेड डार्क जैसे आकर्षक वेरिएंट्स में उपलब्ध है, जिससे खरीदार अपने बजट और फीचर पसंद के अनुसार विकल्प चुन सकते हैं।

सीटिंग कॉन्फिगरेशन की बात करें, तो सफारी पेट्रोल के कुछ चुनिंदा वेरिएंट्स में 6-सीटर और 7-सीटर दोनों विकल्प दिए गए हैं, जो इसे परिवारों और लंबी यात्राओं के लिए अधिक उपयोगी बनाते हैं। ट्रांसमिशन के मोर्चे पर भी कंपनी ने पूरी रेंज में लचीलापन रखा है। सभी प्रमुख वेरिएंट्स में 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के विकल्प उपलब्ध हैं, जिससे ग्राहक अपनी ड्राइविंग पसंद के अनुसार चुनाव कर सकते हैं।

5-स्टार सेफ्टी रेटिंग

हाल ही में भारत न्यू कार असेस्मेंट प्रोग्राम (Bharat NCAP) द्वारा टाटा सफारी पेट्रोल को भी 5-स्टार रेटिंग दी गई है, जो इस एसयूवी के सभी वेरिएंट पर लागू होगी। यानी सेफ्टी के मामले में भी सफरी काफी बेहतर है।

फीचर्स

नई टाटा सफारी पेट्रोल को आधुनिक तकनीक और प्रीमियम कम्फर्ट के साथ लैस किया गया है। इसमें 14.5 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो डॉल्बी एटमॉस ऑडियो सपोर्ट के साथ आता है और केबिन में शानदार साउंड एक्सपीरियंस देता है। सेफ्टी और विजिबिलिटी को बेहतर बनाने के लिए इसमें फ्रंट कैमरा वॉशर की सुविधा दी गई है। इसके अलावा एसयूवी में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक आईआरवीएम के साथ इनबिल्ट डैशकैम, मेमोरी ओआरवीएम के साथ ऑटो रिवर्स डिप फंक्शन, पावर्ड और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं। ड्राइविंग को और सुरक्षित बनाने के लिए इसमें लेवल-2 ADAS टेक्नोलॉजी भी दी गई है, जो एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस फीचर्स के जरिए सफर को ज्यादा सुरक्षित और आरामदेह बनाती है।

कीमत और पोजिशनिंग

दमदार इंजन, प्रीमियम फीचर्स और 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ नई टाटा सफारी पेट्रोल सेगमेंट में नई हलचल पैदा करने के लिए तैयार है। कंपनी ने इसे आक्रामक कीमत पर पेश किया है, जिससे इसकी पोजिशनिंग पहले से कहीं अधिक मजबूत हो गई है। टाटा सफारी पेट्रोल की एक्स-शोरूम कीमत 13.29 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप वेरिएंट में 25.19 लाख रुपये तक जाती है। इसकी आधिकारिक बुकिंग शुरू हो चुकी है और यह एसयूवी देशभर में बिक्री के लिए उपलब्ध है। मैकेनिकल तौर पर सफारी पेट्रोल में टाटा का नया 1.5 लीटर टर्बो GDI इंजन दिया गया है, जो 168 बीएचपी की पावर और 280 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प मिलता है, जो स्मूद, पावरफुल और आरामदायक ड्राइविंग अनुभव देने का दावा करता है।

काम की बात

1 फरवरी से FASTag नियमों में बड़ा बदलाव खत्म होगी KYV अनिवार्यता

देशभर के लाखों वाहन मालिकों के लिए राहत की खबर है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने घोषणा की है कि 1 फरवरी से नई गाड़ियों के FASTag के लिए Know Your Vehicle (KYV) की अनिवार्यता खत्म कर दी जाएगी। अब तक KYV प्रक्रिया के चलते FASTag जारी होने में देरी होती थी और वाहन मालिकों को बार-बार दस्तावेज जमा करने पड़ते थे। नए नियम के लागू होने से FASTag लेने की प्रक्रिया सरल और तेज हो जाएगी।

नए FASTag लेने वालों को सीधा फायदा

फरवरी 2026 के बाद कार, जीप या वैन के लिए नया FASTag खरीदने पर KYV की औपचारिकता नहीं करनी होगी। इससे FASTag जल्द जारी होगा और बैंक या डीलर के पास फॉलोअप करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह बदलाव खासतौर पर नए वाहन खरीदारों के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

पुराने FASTag यूजर्स को भी राहत

- NHAI ने साफ किया है कि यह नियम केवल नए FASTag तक सीमित नहीं है। जिन वाहन मालिकों के पास पहले से FASTag मौजूद है, उन्हें भी नियमित रूप से KYV कराने की जरूरत नहीं होगी, बशर्ते टैग से जुड़ी कोई शिकायत न हो।

इन मामलों में अब भी जरूरी रहेगा KYV

- यदि FASTag को लेकर कोई शिकायत आती है, जैसे टैग का गलत वाहन पर लगा होना, ढीला होना या किसी तरह का दुरुपयोग, तो ऐसे मामलों में KYV जांच की जा सकेगी।

एक्टिवेशन से पहले VAHAN डेटाबेस से जांच

- एक और अहम बदलाव यह है कि अब FASTag एक्टिवेशन से पहले ही वाहन का विवरण VAHAN डेटाबेस से वेरिफाई किया जाएगा। इससे सिस्टम अधिक पारदर्शी होगा और भविष्य में गड़बड़ियों की संभावना कम हो जाएगी।

मॉय फर्स्ट राइड

लाइफ में रिटेक नहीं होता

मेरी नई-नई शादी हुई थी, मैं अपने ससुराल में थी, जबकि मेरे पति विमल उन दिनों ट्रेनिंग में लखनऊ थे। मैंने अपने ससुर जी से कार चलाना सीखने की इच्छा जाहिर की, उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया और कहा कि ये स्किल तो तुम्हें आनी ही चाहिए। मेरा लर्निंग लाइसेंस बनवाया गया और पास के एक मोटर ड्राइविंग स्कूल में मेरी ट्रेनिंग शुरू हुई। जल्दी ही स्टियरिंग पर कमांड होने लगा, क्लच छोड़ने की कला में भी अगले एक सप्ताह में निपुण हो गई। हालांकि ड्राइविंग स्कूल के ट्रैनर बहुत डांटते थे, मुझे बड़ा गुस्सा भी आता था, लेकिन जैसे-तैसे मैं ड्राइविंग ट्रेनिंग करती रही, दूसरे सप्ताह में ही मुझे आत्मविश्वास होने लगा कि अब मैं बिना ट्रैनर के कार चला सकती हूं।

फिर मेरे पहले ड्राइव का दिन आ गया, मैं अपने पति के साथ अपनी मम्मी से मिलने निकली, उस समय हमारे पास एक मारुति 800 कार हुआ करती थी। मैंने इच्छा जाहिर की और ड्राइविंग सीट में बैठ गई, बगल में विमल बैठे थे, मैंने सीट बेल्ट लगाई, क्योंकि सेफ्टी सबसे पहले है, फिर रियर व्यू अपने हिसाब से सेट किया। सीट एडजस्टमेंट किया। दरअसल ये ट्रेनिंग में मुझे सिखाया गया था कि कार आगे बढ़ने से पहले ही ये सारे एडजस्टमेंट कर लेने चाहिए। चलती गाड़ी में सीट एडजस्टमेंट खतरनाक हो सकता है। क्लच छोड़ा और कार आगे बढ़ने लगी, मेरे पति थोड़ा घबरा रहे थे, बार-बार 'अरे धीरे, आराम से, देखकर' जैसी उनकी कॉमेंट्री चलती रही, लेकिन थोड़ी ही देर में वो रिलैक्स हो गए। कहने लगे कि हां तुम सीख गई हो। मेरा ससुराल हल्द्वानी में नवाबी रोड में और मायका कटघरिया में है। करीब 6 या 7 किलोमीटर की ड्राइव रही थी, जब मैं अपने मायके पहुंचने ही वाली थी, तो सामने से एक ट्रक को बचाते हुए निकलने में कुछ मिस कैल्कुलेशन हुआ और गांव की सड़क के किनारे बने गड्ढे में अगला बायां पहिया चला गया। विमल मुझे डांटते हुए बोले, "मैं कह रहा था किनारे ही रोक लो।"

खैर! ड्राइविंग सीट बदली गई, हस्बैंड ड्राइविंग सीट पर आए। गड्ढे में फंसी कार को निकालने की कोशिश की गई, लेकिन कार गड्ढे में और फंसती गई। मैं बहुत नर्वस ओर शर्मिंदा महसूस कर रही थी। गांव के लोगों ने मुझे पहचान लिया। अरे ये तो आशु की बहन है, क्या हुआ, कैसे हुआ? थोड़ी देर में मेरा भाई ट्रैक्टर लेकर आया। रस्सी से खींचकर जैसे- तैसे कार बाहर निकली। हम घर पहुंचे, मेरा आत्मविश्वास बिखर गया था। मैंने कहा कि अब मैं गाड़ी नहीं चलाऊंगी। विमल ने मुझे समझाया कि "नहीं तुमने सिचुएशन को अच्छे से डील किया था। ट्रक से बचते हुए तुम निकल गई थीं, लेकिन आगे से ध्यान रखो कि ड्राइविंग के दौरान ऐसे मौके आएं, तो खुद को किनारे रोक लो, चांस मत लो। लाइफ में रिटेक नही होता है।"

बस तब से ड्राइविंग में ये फार्मूला मैंने सीख लिया कि चांस मत लो, क्योंकि लाइफ में रिटेक नहीं होता है। लौटते में विमल ने कहा कि कार तुम ही चलाओगी। मैंने अपने आत्मविश्वास को बटोरा ड्राइविंग सीट पर बैठी और मैं एक अच्छी ड्राइवर बन गई।

-गीतिका जोशी पांडेय, खंड शिक्षा अधिकारी, रामगढ़ नैनीताल

इलेक्ट्रिक स्कूटर के जरूरी सेफ्टी टिप्स

अगर आप इलेक्ट्रिक स्कूटर चलाते हैं या निकट भविष्य में इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो कुछ जरूरी बातों को जानना आपके लिए बेहद अहम है। इलेक्ट्रिक स्कूटर राइड करते समय कुछ चीजें पहले से स्पष्ट होनी चाहिए ताकि सफर के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। सही जानकारी और थोड़ी सी योजना से आप न सिर्फ सुरक्षित, बल्कि आरामदायक यात्रा भी कर सकते हैं।

राइडिंग रेंज पर रखें नजर

इलेक्ट्रिक स्कूटर लेकर घर से निकलने से पहले उसकी मौजूदा बैटरी चार्ज के आधार पर मिलने वाली राइडिंग रेंज जरूर जांच लें। अगर यात्रा लंबी है और स्कूटर पर्याप्त चार्ज नहीं है, तो रास्ते में बैटरी खत्म होने की समस्या हो सकती है, जिससे असुविधा बढ़ जाती है।

चार्जिंग प्वाइंट की पहले करें जांच

स्कूटर की बैटरी कम होने की स्थिति में रास्ते में चार्जिंग प्वाइंट होना बेहद जरूरी है। इसलिए निकलने से पहले यह जरूर देख लें कि आपके रूट पर चार्जिंग स्टेशन उपलब्ध है या नहीं और वह कितनी दूरी पर है। सही योजना आपको बीच रास्ते रुकने से बचा सकती है।

सड़क की स्थिति भी है अहम

सड़क की हालत भी इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज और परफॉर्मेंस को प्रभावित करती है। खराब, टूटी-फूटी या गड्ढों वाली सड़कों पर स्कूटर की बैटरी जल्दी खर्च होती है। ऐसे में सड़क की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही अपनी यात्रा की योजना बनाना बेहतर होता है।

सुरक्षा की पहल

दोपहिया वाहनों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम

भारत में सड़क हादसों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार दोपहिया वाहनों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रही है। इस साल देशभर में स्कूटर और मोटरसाइकिल की बिक्री के लिए एक सख्त नया नियम लागू होने जा रहा है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

- प्रस्तावित नियम के अनुसार, इस साल भारत में बिकने वाले सभी दोपहिया वाहनों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (ABS) को अनिवार्य कर दिया जाएगा। अभी तक ABS केवल 150cc या उससे अधिक इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों में जरूरी था, लेकिन नए नियम के लागू होने के बाद यह सुरक्षा फीचर हर स्कूटर और मोटरसाइकिल में दिया जाएगा, चाहे उसकी इंजन क्षमता कुछ भी हो।
- केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस नियम की जानकारी पहले ही वर्ष 2025 के मध्य में दे दी थी, ताकि वाहन निर्माताओं को तकनीकी बदलाव के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इस साल से Hero MotoCorp, Honda, TVS, Bajaj, Suzuki सहित सभी दोपहिया वाहन कंपनियों को अपने मौजूदा और नए मॉडलों में ABS देना अनिवार्य होगा। खासतौर पर 125cc से कम क्षमता वाले वाहनों में यह एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।
- इसके साथ ही एक और महत्वपूर्ण नियम भी लागू किया जाएगा। नई मोटरसाइकिल या स्कूटर की बिक्री के समय दो हेलमेट देना भी अनिवार्य होगा। यानी शोरूम से वाहन खरीदने पर ग्राहक को दो हेलमेट मिलेंगे।
- सरकार का मानना है कि इन नियमों से ब्रेकिंग के दौरान फिसलने की घटनाएं कम होंगी और सिर की चोट से होने वाली मौतों में भी कमी आएगी। कुल मिलाकर, यह फैसला भारत में दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करेगा।